उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा हब

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (UPNEDA) के अनुसार, उत्तर प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में 1 लाख करोड़ रुपए के **अनुमानित परिव्यय वाली 125 परियोजनाएँ** हैं।

- ये परियोजनाएँ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सौर और वैकल्पिक स्रोतों के माध्यम से राज्य की **40% ऊर्जा आवश्यकताओं** को पूरा करने के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।

मुख्य बिंदु:

- पहले चरण में बुंदेलखण्ड और पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न **ज़िलों में 35,000 करोड़ रुपए** की चार बड़ी सौर परियोजनाएँ स्थापित की जाएंगी।
- वर्ष 2023 में आयोजित **ग्लोबल इन्वेस्टर समिट (GIS)** में राज्य सरकार को **40 लाख करोड़ रुपए** के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे।
- **'अक्षय ऊर्जा'** योजना के तहत सौर ऊर्जा और अन्य स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं का कुल निवेश में महत्त्वपूर्ण हिस्सा था।
- राज्य वर्तमान में लगभग **2152 मेगावाट सौर ऊर्जा** उत्पन्न करता है, जिसमें से 372 मेगावाट तक स्वतंत्र रूप से पहुँच है।
    - बुंदेलखण्ड क्षेत्र में सबसे अधिक संख्या में सौर संयंत्र लगे हैं, जो राज्य में उत्पादित कुल सौर ऊर्जा का **लगभग 60%** है।
- राज्य का सौर ऊर्जा उत्पादन, जो **वर्ष 2017 में 279 मेगावाट** के करीब था, पिछले छह वर्षों में कई गुना वृद्धि देखी गई है, जिसमें राज्य सरकार की नई सौर नीति के तहत दिये गए प्रोत्साहन, छूट, रियायतें और पदोन्नति शामिल हैं।
- मौजूदा निवेश पाइपलाइन के तहत, पूर्वी उत्तर प्रदेश के **सोनभद्र में ग्रीनको ग्रुप द्वारा 17,000 करोड़ रुपए** के अनुमानित परिव्यय पर **3660 मेगावाट वैद्युत् उत्पन्न करने वाली 'ऑफ-स्ट्रीम क्लोज़ लूप पंप स्टोरेज'** परियोजना की स्थापना की जाएगी।
- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पूर्वी उत्तर प्रदेश के बखिरा पक्षी अभयारण्य में 50 मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर प्लांट स्थापित किया जा रहा है।
- **सोलर सिटी कार्यक्रम** के अंतर्गत NTPC द्वारा अयोध्या में 165 एकड़ भूमि पर **40 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित** किया जा रहा है। परियोजना का एक हिस्सा पहले ही शुरू हो चुका है और शेष मार्च 2024 तक चालू होने की उम्मीद है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/solar-energy-hub-in-uttar-pradesh